समाधान जीवन का - एक वैचारिक क्रान्ति

एक संदेश, तरीका और विशेष कार्य (मिशन) ।
जिससे कि हमारा देश हिन्दुस्तान स्वर्ग बन सके ।
श्री परमधाम, मेरठ के सौजन्य से ।

संघे शक्ति कलियुगे
(कलयुग में जाति रहित एकता में ही शक्ति है)

पूर्ण गुरु श्री चन्द्र मोहन जी

यह विषय बहुत महत्व रखता है क्योंकि हम पूर्ण गुरु श्री च न्द्र मोहन जी के द्वारा जो इस ब्रह्मांड के ज्ञाता है और परमात्मा के प्रतिनिधि है, से आया है । आज तक सात पूर्ण गुरु इस धरती पर आए हैं और वह है श्री रामच न्द्र जी, श्री कृष्णचन्द्र जी, महात्मा बुद्ध, जीसस क्राइस्ट, चेतन्य महाप्रभु, गुरु गोविन्द सिंह और माधवराव (यह 18 वीं सदी में पुणे के राजा थे) । पूर्ण गुरु श्री चन्द्र मोहन जी इस समय धरती पर है , जो कि विश्व परिवर्तन के लिए है । बहुत जल्द ही सतयुग का आरंभ होगा ।

हमारे देश हिन्दुस्तान को स्वर्ग बनाने के लिए

इस प्रारूप में हम निम्नलिखित प्रस्तावित करते हैं ।

राष्ट्रपति	?	: देश में जो भी सबसे मशहूर व्यक्ति है ।
उपराष्ट्रपति	?	: देश में जो भी दूसरे नंबर पर मशहूर व्यक्ति हैं ।
प्रधानमंत्री	?	: देश में जो भी तीसरे नंबर पर मशहूर व्यक्ति है ।

देश के प्रबंधन के लिए पेशेवर व्यक्ति जिनकी आवश्यकता है ।

सरकार का प्रस्तावित प्रारूप की अनुसूची में जो नीचे दिए गए हैं । यह सब व्यक्ति अपने अपने कार्य में विशेषज्ञ है ।

नन्दन निलेकानी
नागरिक / व्यापारी सूचना प्रणाली

अभय प्रसाद होता
बैंकिंग सूचना प्रणाली

अर्चित गुप्ता
टैक्स सूचना प्रणाली

मुकेश अम्बानी
उधोग

सुनील भारती मित्तल
सेवाएं

रोहताश गोयल
बुनियादी संरचना

अनिल अग्रवाल
प्राकृतिक संसाधन और खनिज

नोट : ऊपर लिखित नामों में परिवर्तन किया जा सकता है अगर हमारे पास उस क्षेत्र में कोई अच्छा विकल्प हो तो । नामों में परिवर्तन करने का यह अधिकार केवल जनता का है।

नोट : केंद्र के इलावा 23 राज्य होने चाहिए (जो कि सरकार का प्रस्तावित प्रारूप में दिया गया हैं) । यह ऊपर लिखित व्यक्तियों के नाम जो दिए गए हैं वह देश का प्रतिनिधित्व करें और अपने अपने क्षेत्र में 23 व्यक्तियों को चुनें, जो कि राज्यों का कार्य संभालें । जिससे कि सारे देश में एक जैसी प्रणालियां हो ।

महत्व के मुद्दे

1. प्रजातंत्र को मजबूत करने के लिए राजनीतिक प्रणाली, न्यायिक व्यवस्था , पुलिस व नौकरशाही किस प्रकार कार्य करेगी कि उसका विस्तार अनुसूची 10 में किया गया है ।

राजनैतिक सुधार **पुलिस के सुधार** **न्यायिक सुधार**

और

नौकरशाही की भूमिका

2. रोजमर्रा की जरूरतें किस प्रकार से आसानी से पूरी की जाए कि एक आम आदमी के लाभ में हो और व्यवहारिक भी हो जिसका विवरण आगे दिया गया है ।

3. प्रबंध की व्यवस्था किस तरह से जल्द और अच्छे परिणाम देने वाली कार्यप्रणाली हो , जो कि इस प्रकार से हो :-

   व्हाट्सएप्प के द्वारा संबंधित ग्रुप में,
   जिसके द्वारा, निर्णय की प्रणाली तेजी से कार्य कर सकती है ।

4. सरकार की कार्यप्रणाली जो की सस्ती, कुशल और रोजमर्रा की जरूरतों के अनुसार हो जिसका प्रारूप भी दिया गया है और यह किस तरह से प्रभावी रूप में किया जा सकता है वह हमने अपने विचारों में दिया है । काश हमारे देश में ऐसा हो जाए । इसका तरीका भी वर्णन किया गया है ।

5. सस्ती गवर्नेंस का मतलब है प्रबंधन की लागत केवल कुछ सौ करोड़ नाकि कुछ लाख करोड़ ।

6. सस्ती व्यापारी लागत का मतलब है मुख्यता: केवल उत्पादन की लागत , जो की माल की खरीद, वित्त, कर्मियों और मार्केटिंग की लाग तो को कम करके किया जा सकता है , जो कि बड़े - बड़े व्यापार में भी किया जा सकता है और इसका अप्रत्यक्ष मतलब हुआ कि सब चीजे और सेवाएं सस्ती ।

7. प्रत्येक देशवासी के लिए एक विशेष व्यवस्था , की वह जो भी रखता है वह उसकी योग्यता और सामर्थ्य के अनुसार हो लेकिन जिन व्यक्तियों के पास कोई कमी है , लेकिन उनको भी रोजमर्रा की जरूरते आसानी से उपलब्ध हो । प्रत्येक व्यक्ति के लिए रोजगार के अवसर हो , अन्य अवसर हो । प्रत्येक व्यक्ति के लिए पेंशन की व्यवस्था हो और विशेष व्यवस्था उन लोगों को सम्मान देने की , जिन्होंने देश की प्रगति और खुशहाली के लिए अपना योगदान दिया है, उसके अनुसार ।

8. एक नई कर व्यवस्था (समता कर) जो अभी तक पूरे विश्व में कहीं भी लागू नहीं हुई है , लेकिन जो देश इसे लागू करेगा वह देश दिन दूनी रात चौगुनी उन्नति करने के स्थान पर दिन दूनी रात सौ गुनी उन्नति करेगा । मानवतावादी कर प्रणाली देश की उन्नति और खुशहाली के लिए हो ।

9. सरकार के पास कभी भी पैसे की कमी नहीं हो , चाहे यह धन 10 / 20 / 50 /.....500 लाख करोड़ रुपए ही क्यों ना हो ? क्योंकि धन का मतलब है पै से का चलन (Circulation)। यह पैसे का चलन कैसे कई गुना बढ़ेगा और उसके कौन कौन से तरीके होंगे उसका विवरण भी दिया गया है ।

आयकर समाप्त होने के पश्चात सरकार के पास धन कहां से आएगा ?

1. करो की आमद में कई गुना बढ़ोतरी होगी) उत्पाद शुल्क ,बिक्री कर व सेवा कर (सिक्कों के चलने के बाद ,चोरी करने का कोई भी रास्ता नहीं रहेगा|

2. समता कर की आमद उन लोगों से जिनका योगदान व्यापार या परियोजनाओं में नहीं है|

3. सरकार 0.01% सालाना ब्याज पर ऋण ले सकती है ,चाहे वह 10/20/50.....1000 लाख करोड़ ही क्यों ना हो | क्योंकि यह केवल बही खाते का हिसाब-किताब है ,जो कि कभी वापस करना ही नहीं है|

पैसे के चलन में कहीं गुना बढ़ोतरी कैसे होगी?

1. न्यूनतम पेंशन वरिष्ठ नागरिकों को 5000 रुपए प्रति माह प्रत्येक व्यक्ति को ,जो कि 60 वर्ष से ऊपर है|

2. कर्मचारियों व पक्के मजदूरों को पेंशन 2.5% आखिरी वेतन के अनुसार ,पिछले जितने वर्षों में उन्होंने काम किया है या 50% जो दोनों में अधिक हो | जो कर्मचारी बहुत पहले सेवानिवृत्त हो गए हैं उन्हें वर्तमान में कर्मचारियों को जो वेतन मिलता है उसके अनुसार पेंशन प्राप्त हो) One Rank One Pension- OROP)

3. फैमिली पेंशन 50% हो, यदि परिवार में 2 सदस्य से कम है अन्यथा 75% हो, जो उसकी आखिरी वेतन या पेंशन के अनुसार प्राप्त हो|

4. न्यूनतम बेरोजगारी भत्ता 5000 रुपए प्रति मास हो या 2.5 प्रतिशत आखिरी वेतन के अनुसार जितने वर्ष कार्य किया है या 50% जो दोनों में अधिक हो | 6 महीने के बाद इस भत्ते को आधा कर दिया जाए ,अगले 6 महीनों में एक तिहाई कर दिया जाए ,अगले 6 महीनों में एक बटा चार कर दिया जाए और अगले 6 महीनों में 1 बटा 5 कर दिया जाए और इसे निखट्टू भत्ता कहां जाए|

5. गांवों के विकास के लिए 1 करोड़ की राशि प्रत्येक गांव जहां जनसंख्या 1800 से कम है, 2 करोड़ रुपए जहां जनसंख्या 3600 से कम है, 3 करोड़ रुपए जहां जनसंख्या 5400 से कम है, 4 करोड़ रुपए जहां जनसंख्या 7200 से कम है, 5 करोड़ रुपए जहाँ आबादी 9000 से कम है , 6 करोड़ रुपए जहाँ आबादी 18000 से कम है , 7 करोड़ रुपए जहाँ आबादी 27000 से कम है, 8 करोड़ रुपए जहाँ आबादी 36000 से कम है और 9 करोड़ रुपए जहाँ आबादी 45000 से कम है दिया जाना चाहिए । यह एक लगातार प्रक्रिया होनी चाहिए और जब भी दी जाने वाली राशि 80% खर्च हो जाऐ तो उसका पुनर्भरण किया जाना चाहिए ।

6. प्रत्येक महिला और बेरोजगार युवक को एक समय मुफ्त में भोजन की व्यवस्था के लिए शहरों में 3000 रुपए प्रति मास और गांवो में 2000 रुपए प्रति मास दिया जाए|

7. बाद में जब देश में आधारिक संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) तैयार हो जाए तो प्रत्येक नागरिक को पर्यटन के लिए वर्ष में 1 करोड़ रुपए दिया जाए और 1 महीने का समय दिया जाए | जितना खर्च कर सकता है करें ,बाकी का पैसा सरकार को वापस कर दे | यह व्यवस्था अगले 8-10 वर्षो में बन सकती है जब आधारिक संरचना (इन्फ्रास्ट्रक्चर) तैयार हो जाए |

8. सरकारी कर्मचारियों के वेतन और बहुत सी अन्य संस्थाओं के वेतन जैसे कि बैंक ,स्कूल , हस्पताल इत्यादि सरकार के द्वारा इनका भुगतान|

9. नए ऋण 0.01% सालाना ब्याज पर आसानी से उपलब्ध हो ,जिनके पास योग्यता या क्षमता या सामर्थ्य या डिग्री या कोई विशेष गुण है ,उनको आसानी से दिए जाएं |

यह खर्च ,ऋण व विभिन्न योजनाओं के लिए धन चलन में की बढ़ोतरी में मदद करेंगे जो कई गुना होगा और इसके बदले में देश उन्नति व प्रगति करेगा जिससे उसका उत्थान हो सके|

संक्षिप्त में देश का पैसा ,देश के लिए प्रयोग होगा ,देश प्रयोग करेगा ,देश के अंदर प्रयोग होगा और देशवासियों के लिए प्रयोग होगा|

10. 1 वर्ष के भीतर - भीतर 1 रुपया 1 डालर के बराबर कैसे हो और अगले 10 वर्षों में 1 रुपया, सौ डालर के बराबर कैसे हो, जो कि बेहतर योजना और उसको लागू करके किया जा सकता है ।

सब कुछ लागू होने के बाद एक रुपया एक डालर के बराबर कैसे होगा?

विभिन्न प्रावधानों के लागू होने के पश्चात जिनका वर्णन पीछे किया गया है एक रूपया एक डालर के बराबर लगभग एक साल के अंदर होगा क्योंकि:

1. सोने की सीमा होने के पश्चात ,हम सोने के निर्यातक होंगे नाकि आयातक|
2. कूड़े के प्रबंधन से 5 वर्षो के भीतर-भीतर हम जैविक खाद के निर्यातक बन जाएंगे नाकि हम केमिकल खाद के आयातक होंगे|

3. ऊर्जा के प्रबंधन से तेल के आयात में भारी कमी आएगी | जहां तक सोलर पावर का प्रश्न है , इसको अगले 10 वर्षो में वर्तमान क्षमता / कैपेसिटी सीमा को 1000 गुना तक बढ़ाया जा सकता है | हम सोलर पावर सेल को भी बना सकते हैं जिससे हमारी हर प्रकार की ऊर्जा की आवश्यकता की पूर्ति हो सकती है |

   नोट -:भविष्य में / आने वाले समय में सोलर पावर के अतिरिक्त सारे ऊर्जा के विकल्प अप्रचलित /बेकार हो जाएंगे|

4. घरेलू उधोगों को प्रत्येक गांव में लगाने के बाद हम 5 से 10 वर्षों में हर चीज के निर्यातक होंगे ना कि आज की तरह चीन से हर चीज के आयातक|

5. वाहन और पर्यटन के प्रावधानों को लागू करने के बाद विदेशी विनमय / एक्सचेंज में कई गुना बढ़ोतरी होगी और इसके अतिरिक्त..... बहुत कुछ है|

यधपि इन सब के लागू होने में 5 से 10 वर्ष लगेंगे ,लेकिन इनका प्रभाव 1 वर्ष के भीतर-भीतर नज़र आना आरंभ हो जाएगा और अगले लगभग 10 वर्षों में एक रुपया सौ डालर के बराबर होगा|

11. धार्मिक संस्थाओं का धन किस प्रकार से प्रयोग किया जाना चाहिए ? तो वह केवल जनता के लिए व जनता के लाभ के लिए होना चाहिए ।

12. इस प्रणाली में गरीबी, भ्रष्टाचार और आतंक कैसे आसानी से समाप्त किए जा सकते हैं ।

13. देश को सुचारू रूप से चलाने के लिए एक साधारण , संतोषजनक व सूक्ष्म सूचना प्रणाली जो कि नागरिक / व्यापारी सूचना प्रणाली, बैंकिंग प्रणाली और कर प्रणाली के द्वारा आसानी से की जा सकती है । जिससे कोई भी सूचना किसी भी नागरिक के बारे में , किसी भी व्यापारी के बारे में, देश के किसी भी कोने से मिनटों में प्राप्त की जा सकती है ।

14. निम्नलिखित प्रश्नों के समाधान जो कि विवरण में दिए गए हैं :-

- देश का जलवायु स्वास्थ्य के लिए कैसे लाभप्र द हो सकता है और ग्लोबल वार्मिंग को समाप्त करने के लिए क्या प्रयास किया जाए कि यह संसार जीने के लिए एक बेहतर स्थान हो सके ।
- देश के प्रत्येक नागरिक को आजीविका की गारंटी कैसे प्राप्त हो सकती है ?
- देश को एकजुट करने का अचूक तरीका क्या है ? और वह है, एकजुटता आरक्षण नीति जिसको लागू किया जा सकता है, और ऐसी व्यवस्था कैसे बन सकती है कि आरक्षण की आवश्यकता ही समाप्त हो जाए या विधार्थियों के लिए पढाई और स्वास्थ्य सेवाएं और दिन में एक समय के मुफ्त भोजन, यह किस प्रकार से किया जा सकता है । यह सब कुछ हमारा देश हि न्दुस्तान स्वर्ग कैसे बनेगा के प्रावधान को लागू कर के किया जा सकता है ।
- देश में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं की प्रणाली किस प्रकार से आयोजित की जाए जिससे देश उन्नति और खुशहाली की ओर अग्रसर हो ।
- देश के संसाधन (जो जमीन के नीचे है) उन का बंटवारा किस प्रकार से हो कि सब को एक सामान मिल सके ।
- असहायों का जीवन कैसे खुशहाल हो सकता जिससे कि वह चिंता मुक्त हो सके और विशेष तौर पर उनके माता पिता का जिनके बच्चे विकलांग है ।
- देश में प्रत्येक राज्य का एक समान विकास कैसे हो सकता है ?
- पर्यटन का विकास कैसे हो जिससे कि रोजगार के अवसर और देशवासियों / नागरिकों को बहुत सारे अवसर प्रदान हो सके ।
- देश में समाजिक बुराइयां कम से कम कैसे की जा सकती है और विशेष तौर पर तलाक - तलाक - तलाक और बहुविवाह जो कि मुस्लिम महिलाओं को अनुभव करना पड़ता है , पूरी तरह से समाप्त किए जा सके ।

इन सबसे ऊपर देश के प्रत्येक नागरिक को आदर , अधिकार व अवसर कैसे प्राप्त हो जिससे उनमे समता आये, नागरिकों की क्षमता बढे और जिसके द्वारा उनमें नम्रता आए और यह सब कुछ उनकी

योग्यता और सामर्थ्य के अनुसार प्राप्त हो । लेकिन जिस व्यक्ति में यह कुछ कम है लेकिन उनको भी रोजमर्रा की जरूरते आसानी से न्यूनतम स्तर पर उपलब्ध हो ।

यह कोई ख्वाब नहीं है और इसको बहुत आसानी से किया जा सकता है और प्राप्त भी किया जा सकता है । एक बार जब आप विवरण को देखेंगे / पढ़ेंगे तब आप खुद ही अनुमान लगा पाएंगे और खुद ही कहेंगे यह सब कुछ बहुत आसानी से हो सकता है ।

तब आपको विचारों की शक्ति के बारे में महसूस होगा / अनुभव होगा ।

एक परिचय हमारा देश हि न्दुस्तान स्वर्ग कैसे बन सकता है और उस का सोशल मीडिया के द्वारा उसकी अनुसूची भी दी गई है ।हमारे विचार एक प्रस्ताव के रूप में भी दिए गए हैं - काश हमारे देश में ऐसा हो जाए ! इसका विवरण भी दिया गया है । हम आप सभी से अनुरोध करते हैं यह सभी विचार हमारे प्रधानमंत्री जी तक पहुंचाएं (अगर आप इन को पसंद करते हैं तो) ताकि उनको लागू किया जा सके और वास्तव में हमारा देश स्वर्ग बन सके । यह सभी विचार हमारे प्रधानमंत्री जी के द्वारा आसानी से लागू कि ए जा सकते हैं क्योंकि वह हमारे देश के सबसे मशहूर और प्रभावशाली राजनीतिक नेता है ।

हम बहुत बेसब्री से उस पल का इंतजार करते हैं कि वह हमारे जीवन में आए , जिस दिन यह सब प्रावधान लागू हो जाए । हमें पूरी उम्मीद है कि वह पल बहुत जल्द आएगा और इस कार्य के लिए मोदी जी आगे आएंगे और अपना योगदान देंगे ।

हमारा रुझान : हमने यह विचार कुछ लोगों के साथ विचार - विमर्श किए और सभी ने एक ही बात कही - काश ऐसा हो जाए !
नोट : यह सारी सूचना हमें श्री परमधाम, मेरठ से प्राप्त हुई है और सारे कार्य पूर्ण गुरु जी के आदेश के अनुसार किए गए हैं ।

रमेश कुमार

इन सभी का विवरण वीडियोस में भी दिया गया है और उसके लिए आप www.solutionoflife.in को देखें।

हमें अनुवाद में मदद करने के लिए कृपा करके अपना निवेदन www.solutionoflife.in पर भेजें ।

हमारा देश हिन्दुस्तान स्वर्ग कैसे बनेगा ?

एक परिचय

इस धरती पर प्रत्येक मनुष्य की इच्छा होती है कि उसका जीवन बेहतर से बेहतर हो , चाहे वह शारीरिक, मानसिक और बौद्धिक ही क्यों ना हो । वर्तमान में यह केवल एक विचार मात्र ही हैं । विचार इतने शक्तिशाली भी हो सकते हैं और चमत्कार भी कर सकते हैं , जो आप स्वयं बहुत जल्द अनुभव करेंगे ।

अगर हम कुछ भी प्राप्त करना चाहते है या काश हमारे देश में ऐसा हो जाए जैसे दिया गया है , इन सभी के लिए थोड़े से प्रयत्न की आवश्यकता है चाहे वह समुंद्र में एक बूंद के सामान ही क्यों ना हो । इस विचार के साथ - साथ पानी की एक बूंद समुंद्र में नग्न हो सकती है , लेकिन इसका भी महत्व है, क्योंकि आपने अपनी योग्यता और सामर्थ्य के अनुसार अपना योगदान दिया ।

प्रत्येक परिवर्तन के लिए विचारों का स्पष्ट होना , ठीक दिशा होना और उनको लागू करने की आवश्यकता होती है । वर्तमान में यह विचार केवल एक प्रस्ताव है , लेकिन दिशा हर व्यक्ति अपनी अपनी दे सकता है, जो कि उसके अपने योगदान पर निर्भर करती है । अंत में इस प्रस्ताव के, काश ऐसा हमारे देश में हो जाए में दिया गया है । आप इस कार्यक्रम में कैसे अपना योगदान दे सकते है उसके लिए आप आगे आएं और सब कुछ बहुत कम समय में घटित होता देखें ।

अब आपके पास है :-

1. प्रस्ताव के रूप में कुछ विचार - काश हमारे देश में ऐसा हो जाए !
2. आपका योगदान जो आपने दिशा निर्देश दिए हैं , उसके अनुसार । जब हम सब एकजुट हो जाते हैं और अपना थोड़ा - थोड़ा योगदान देते हैं तो परिवर्तन निश्चित ही आएगा ।
3. जहां तक विचारों को लागू करने का प्रश्न है वह केवल तब उठेगा जब परिवर्तन हो चुका होगा, अगर हम सब मिलकर य ह निर्णय, प्रधानमंत्री जी को दे । इस प्रस्ताव की सफलता हमारे प्रधानमंत्री जी पर निर्भर करती है क्योंकि वह ही इसको लागू कर सकते हैं । क्योंकि वह देश के सबसे मशहूर व प्रभावशाली राजनेता है । इस प्रस्ताव की सफलता का दारमदार इस बात पर भी निर्भर करता है कि हम प्रधानमंत्री जी को कितनी क डाई से इस विषय पर आगे बढ़ाते हैं । अगर प्रधानमंत्री जी इस बात को लागू करने में हमारी मदद नहीं करते तो हम एक प्रदर्शन करेंगे जिसका वर्णन अलग से किया गया है और जो बहुत जल्द होगा । अब यह आपके हाथ में है कि आप क्या चाहते हैं :-

    1. जैसा जीवन आज चल रहा है वैसा ही,
       या

    2. जैसा प्रस्ताव में दिया गया है ।
       एक प्रस्ताव और उसका विवरण जो अनुसूचीयो में आगे दिया गया है ।
       सादर प्रणाम ।

एक सन्देश, तरीका और ध्येय जिससे हमारा देश हिन्दुस्तान स्वर्ग बन सके !

समाधान जीवन का - एक वैचारिक क्रान्ति

वेबसाइट में निम्नलिखित दिया गया है :-

1. एकजुटता जागरूकता अभियान ।
2. देश से गरीबी, भ्रष्टाचार व आतंक को कैसे मिटाया जा सकता है?
3. एक आम आदमी का जीवन कैसे खुशहाल हो सकता है?
4. देश के प्रत्येक वर्ग को आजीविका की गारंटी कैसे मिल सकती है?
5. देश का किसान कैसे खुशहाल व मजबूत हो सकता है?
6. कार्य जो देशवासियों को खुशहाल बना सकते हैं?
7. देश के उत्थान में कर (टैक्स) कैसे योगदान दे सकते हैं?
8. देश में जल, वायु व जलवायु एक आम आदमी के स्वास्थ्य के लिए कैसे लाभप्रद हो सकते हैं?
9. देश में आरक्षण नीति कैसी हो कि सब एकजुट हो जाएं?
10. देश में प्रजातंत्र की स्थापना कैसे हो सकती है?
11. काश ऐसा हो जाए !
12. एक विचार असहायों के बारे में ।
13. एक विचार विधार्थीयों के बारे में ।
14. एक विचार किसानों के बारे में ।
15. एक विचार मजदूरों के बारे में ।
16. एक विचार कर्मचारियों के बारे में ।
17. एक विचार व्यापारियों व स्वयं रोजगार करने वालो के बारे में ।
18. एक विचार घरों के निर्माताओं व निवेशकों के बारे में ।

नोट : यह सारे वर्णन वेबसाइट www.solutionoflife.in की अनुसूची 1- 18 मे दिए गए है ।